दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३०२ वा | मंगळवार ३ जून २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

विशेष संपादकीय ।।

तुझसा कहां से लाएं। अपना कहे जिसे ।

गोपीनाथ मुंडे एक ऐसी शख्सियत थे जिन्होंने अपनी धर्मनिरपेक्ष सोच और अल्पसंख्यकों के लिए ईमानदार प्रयासों से भारतीय राजनीति में एक विशिष्ट स्थान बनाया। ३ जून २०१४ को दिल्ली में एक सड़क हादसे में उनकी मृत्यु न केवल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) बल्कि पूरे भारत के लिए एक बड़ा झटका थी। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे न केवल हिंदू मतदाताओं बल्कि मुस्लिम समुदाय में भी असाधारण रूप से लोकप्रिय थे, जो बीजेपी जैसे राजनीतिक ढांचे में एक दुर्लभ बात है। इस लोकप्रिय नेता की मृत्यु ने पूरे देश के लोगों को गहरा दुख पहुंचाया। बीजेपी जैसी पार्टी में रहते हुए धर्मनिरपेक्ष छवि बनाए रखने और विशेष रूप से मुसलमानों के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने में वे सफल रहे। जब वे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने अल्पसंख्यकों की भलाई के लिए खुले तौर पर काम किया। मराठवाड़ा विश्वविद्यालय में उर्दू चेयर की स्थापना, मुंबई में हज हाउस की इमारत को कानूनी तौर पर मुसलमानों को सौंपना, अरबी मदरसों के लिए अनुदान, और पुलिस विभाग में मुस्लिम कर्मचारियों को दाढ़ी रखने की अनुमति जैसे कदम उनकी दूरदर्शिता को दर्शाते हैं। उन्होंने न केवल कानून और व्यवस्था को मजबूत किया बल्कि सांप्रदायिक तत्वों को कभी सिर उठाने का मौका नहीं दिया और न ही किसी सांप्रदायिक नेता को जहरीले बयान देने की अनुमति दी।

जब वे सांसद थे, तब उन्होंने संसद में उर्दू भाषा के विकास और अल्पसंख्यकों के लिए छात्रवृत्तियों के मुद्दे उठाए। उनकी मृत्यु का खालीपन अल्पसंख्यक समाज आज भी गहराई से महसूस करता है, खासकर तब जब देश में सांप्रदायिकता और महाराष्ट्र में जहरीले बयानों की बौछार ने एक विशेष वर्ग को बीजेपी से दूर किया है। एक समय था जब गोपीनाथ मुंडे ने मुस्लिम समुदाय के ७५ प्रतिशत वोट हासिल कर देश के एकमात्र नेता बनने का गौरव प्राप्त किया था। अटल बिहारी वाजपेयी के बाद वे मुस्लिम समुदाय में असाधारण लोकप्रियता हासिल करने वाले नेता थे। उनकी बेटी पंकजा मुंडे, जो राज्य मंत्री हैं, अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन बदलते राजनीतिक हालात ने उनके लिए यह रास्ता मुश्किल बना दिया है।

मुंडे का राजनीतिक जीवन एक ऐसी मिसाल है जो वैचारिक कठोरता और सामाजिक सौहार्द के बीच संतुलन को दर्शाता है। उन्होंने बीजेपी के कार्यकर्ता के रूप में अपनी पहचान को मजबूत रखते हुए कभी भी सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा नहीं दिया। उनकी नेतृत्व क्षमताओं का सबसे बड़ा प्रमाण महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ जैसे पिछड़े क्षेत्रों में विकास कार्य थे, जहां उन्होंने कृषि, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। मुंडे का मानना था कि विकास सभी के लिए समान होना चाहिए, और उन्होंने इसे अपने कार्यों से साबित किया। उनकी मृत्यु के बाद उनके निर्वाचन क्षेत्र बीड़ में उनकी कमी को आज भी लोग महसूस करते हैं, जहां वे लोगों के दिलों में एक संवेदनशील नेता के रूप में जीवित हैं। उन्होंने किसानों के मुद्दों को हमेशा प्राथमिकता दी और ग्रामीण भारत के विकास के लिए कृषि सुधारों पर जोर दिया। उनकी सादगी और लोगों से सीधा संपर्क ने उन्हें ऐसा नेता बनाया जो हर वर्ग के लिए सुलभ था। आज के दौर में, जब राजनीतिक बयान अक्सर विभाजन का कारण बनते हैं, गोपीनाथ मुंडे का दृष्टिकोण एक मार्गदर्शक सिद्धांत हो सकता है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सच्चाई, ईमानदारी और सभी को साथ लेकर चलने की नीति ही एक स्थिर समाज की नींव रखती है। उनकी स्मृति हर उस व्यक्ति के लिए एक प्रेरणा है जो राजनीति को सेवा का माध्यम मानता है।

३ जून को उनकी पुण्यतिथि पर गोपीनाथ मुंडे को याद करना केवल एक व्यक्ति को श्रद्धांजलि देना नहीं, बल्कि उनके दृष्टिकोण-एक सौहार्दपूर्ण, धर्मनिरपेक्ष और समावेशी भारत-को जीवित रखने की कोशिश है। उनका खालीपन आज भी गहराई से महसूस किया जाता है, और उनकी विरासत को जीवित रखने के लिए हमें उनके सिद्धांतों को अपनाने की जरूरत है।

काजी मखदूम।

ईद के मद्देनज़र पुलिस सतर्क रहे, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर सख़्त कार्रवाई हो-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

राज्य की कानून-व्यवस्था पर सह्याद्री अतिथिगृह में समीक्षा बैठक आयोजित

रिपोर्ट : ज़मीर काज़ी, मुंबई

मुंबई, २ जून :

आगामी ईद-उल-अज़हा (बकरी ईद) के मद्देनज़र मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के सभी पुलिस अधिकारियों और प्रशासनिक तंत्र को सख़्त निर्देश देते हुए कहा है कि राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए और जो भी तत्व सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने या अल्पसंख्यकों में भय फैलाने की कोशिश करें, उनके खिलाफ तुरंत और कठोर कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सोमवार को सह्याद्री अतिथिगृह में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें बकरी ईद के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, विधायकगण असलम शेख, अबू आज़मी, अमीन पटेल, रईस शेख, सना मलिक, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव इकबाल सिंह चहल, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव विकास खड़गे, बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी, पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने ध्यान दिलाया कि कुछ संगठनों द्वारा जानबूझकर सामाजिक तनाव पैदा किया जा रहा है, जिससे अल्पसंख्यक समाज में असुरक्षा का माहौल बनने की कोशिश हो रही है। ऐसे में प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा,

महाराष्ट्र में त्योहारों के दौरान हमेशा कानून-व्यवस्था सुचारू रही है। इसी परंपरा को बनाए रखते हुए ईद के दौरान भी सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करना होगा। किसी भी तरह की अव्यवस्था, तनाव या कानून तोड़ने की कोशिश करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में बृहन्मुंबई महानगरपालिका और मुंबई पुलिस द्वारा ईद को लेकर की गई तैयारियों और सुरक्षा उपायों की जानकारी भी दी गई। मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित एजेंसियों से अपील की कि वे पूरी संवेदनशीलता और सतर्कता के साथ कार्य करें, ताकि ईद का त्यौहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो।

गोपीनाथगड पर ३ जून का कार्यक्रम प्रेरणा और ऊर्जा का स्रोत-पंकजा मुंडे ने दी सभी को आमंत्रण

परली वैजनाथ, २ जून (प्रतिनिधि): लोकनेते गोपीनाथराव मुंडे की पुण्यतिथि-३ जून को-हर वर्ष की तरह इस बार भी पारंपरिक रूप से गोपीनाथगड पर मनाई जाएगी। इस अवसर पर कीर्तन और महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। महाराष्ट्र सरकार की पर्यावरण एवं पशुसंवर्धन मंत्री पंकजा मुंडे ने मुंडे प्रेमियों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करें।

पंकजा मुंडे ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि ३ जून का दिन कभी उजड़ना नहीं चाहिए, यह हम सभी का भाव है। गोपीनाथराव मुंडे के विचारों से प्रेरणा और ऊर्जा लेने के लिए हम सभी हर साल इस दिन गोपीनाथगड पहुंचते हैं। इसी भावना से इस वर्ष भी यह पुण्यतिथि पारंपरिक ढंग से मनाई जाएगी।

कार्यक्रम के तहत रामायणाचार्य ह.भ.प. रामराव महाराज ढोक द्वारा कीर्तन किया जाएगा, जिसके पश्चात महाप्रसाद का आयोजन होगा। पंकजा मुंडे ने सभी मुंडे समर्थकों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे ३ जून की सुबह ११ बजे गोपीनाथगड पर उपस्थित रहें और इस पारिवारिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सहभागी बनें।

यह कार्यक्रम केवल श्रद्धा का नहीं बल्कि समाजसेवा, नेतृत्व और प्रेरणादायी विचारों को आगे बढ़ाने का अवसर भी है, ऐसा संदेश भी पंकजा मुंडे ने अपने आमंत्रण के माध्यम से दिया है।

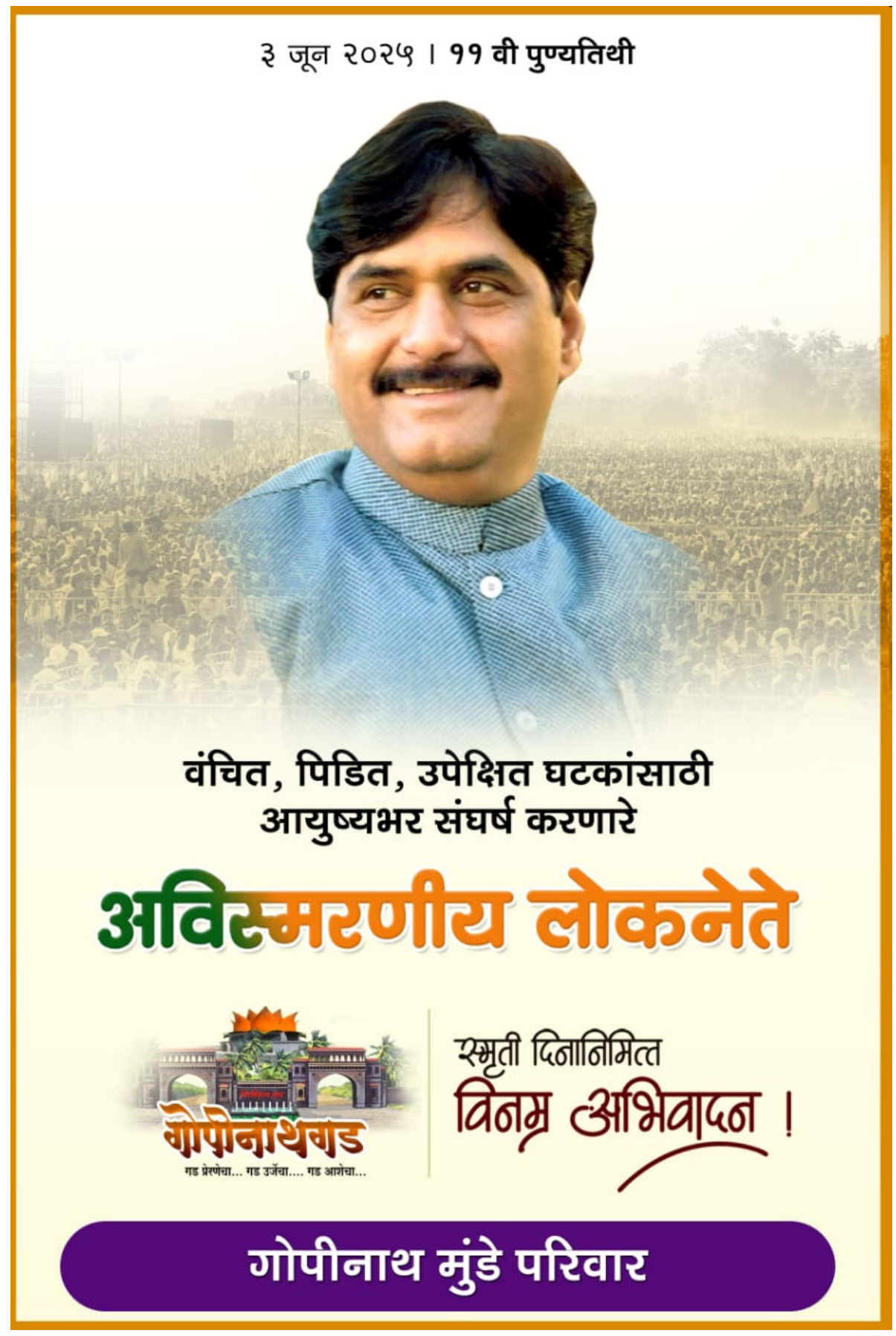

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

१९८० के दशक की बात है, जब मैं मुंबई के कफ परेड क्षेत्र के एक ट्रांजिट कैंप में रह रहा था। हमारी मूल रिहायशी इमारत फोर्ट इलाके में स्थित थी जो गिरा दी गई थी, और सरकार की ओर से हमें ट्रांजिट कैंप में स्थान दिया गया था। उस कैंप में मुसलमानों के साथ मछुआरे समुदाय के लोग भी रहते थे। इसी दौरान रमज़ान का महीना आया और मुसलमानों ने एक छोटे से कमरे को मस्जिद में तब्दील कर लिया। लेकिन सबसे बड़ा मसला था - अज़ान देने का।

मस्जिदों पर नहीं, सभी धर्मस्थलों पर लागू है हाईकोर्ट का लाउडस्पीकर फैसला - पुलिस पर पक्षपात का आरोप

हमने मछुआरा सोसायटी के अध्यक्ष से मुलाकात की और अपनी परेशानी बताई। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा - हम तो मछलियाँ पकड़ने के लिए सुबह ४ बजे ही उठ जाते हैं, हमें लाउडस्पीकर पर अज़ान से कोई आपत्ति नहीं है। यह तब की बात थी, लेकिन अफसोस आज हालात बदल गए हैं। आज हर कोई आपत्ति जताने को तैयार बैठा है - और यही इस लेख का विषय है।

पिछले कुछ महीनों से बीजेपी के पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने जानबूझकर मुंबई की मस्जिदों को निशाना बनाना शुरू किया है। शुरुआत उन्होंने उपनगरीय पूर्वी इलाकों से की, लेकिन जब वहां ज़्यादा असर नहीं हुआ, तो उन्होंने शहरी क्षेत्रों में हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया। उन्होंने पुलिस पर अत्यधिक दबाव बनाया, जिससे मुस्लिम समाज में बेचैनी फैल गई है।

जावेद जमालुद्दीन
चीफ एडिटर
9867647741

इस स्थिति से निपटने के लिए मुस्लिम संगठनों और मस्जिदों के ट्रस्टीज़ ने एक लीगल कमेटी का गठन किया है। कमेटी का कहना है कि मस्जिदों से जबरन लाउडस्पीकर हटाए जा रहे हैं, जो सीधे-सीधे बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना है। क्योंकि हाईकोर्ट ने सिर्फ मस्जिदों के लिए नहीं बल्कि सभी धार्मिक स्थलों और सामाजिक आयोजनों पर यह नियम लागू किया है।

सरकार और प्रशासन बार-बार यह कह रहे हैं कि देश को संविधान के तहत चलाया जाएगा और सभी धर्मस्थलों पर समान नियम लागू होंगे। लेकिन मस्जिदों को एकतरफा निशाना बनाकर बीजेपी नेता किरीट सोमैया धार्मिक ध्रुवीकरण और नफ़रत फैलाने का काम कर रहे हैं। वे पुलिस पर लगातार दबाव बना रहे हैं ताकि मुसलमानों को डराया जा सके और साम्प्रदायिक माहौल तैयार किया जा सके।

उनकी इस गतिविधि के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है और अगर पुलिस ने स्वत: संज्ञान नहीं लिया, तो अदालत में मामला दर्ज कराया जाएगा। यह भी देखा गया है कि जिन इलाकों में हिंदू-मुस्लिम एक साथ रहते हैं, वहां स्थानीय हिंदू नागरिकों को अज़ान या लाउडस्पीकर से कोई आपत्ति नहीं होती। पर कुछ शरारती तत्वों की शिकायत पर पुलिस फौरन एक्शन में आ जाती है।

केवल वोटबैंक की राजनीति के लिए माहौल बिगाड़ा जा रहा है। मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाना एक संवेदनशील मसला है और इससे शांति व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। पुलिस को चाहिए कि वह निष्पक्ष भूमिका निभाए क्योंकि मुंबई जैसे शहर में हिंदू-मुस्लिम एकता को तोड़ने की साज़िशें तेज़ हो रही हैं।

दरअसल, आगामी चार महीनों में नगर निगम चुनाव होने हैं। ऐसे में महाराष्ट्र में जानबूझकर धार्मिक उन्माद फैलाया जा रहा है। हाल ही में कोंकण में एक छात्र पर पाकिस्तान ज़िंदाबाद का नारा लगाने का आरोप लगाकर उसका घर गिरा दिया गया - जबकि कई मामलों में गैर-मुस्लिमों के नारे लगाने पर इसे 'जुबान फिसलना' बताकर छोड़ दिया गया।

हकीकत यह है कि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में रात भर भजन और जागरण चलते हैं, लेकिन कभी किसी मुस्लिम ने इनके खिलाफ कार्रवाई की मांग नहीं की। लेकिन यहां बीजेपी नेता किरीट सोमैया के दबाव में आकर पुलिस मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटवा रही है।

कानून के अनुसार, सभी धार्मिक स्थलों पर समान रूप से यह नियम लागू होना चाहिए। एडवोकेट खालिद अंसारी ने इस संदर्भ में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसलों का हवाला दिया। २०१६ में हाईकोर्ट ने एक विस्तृत आदेश जारी किया था, जिसमें सभी धार्मिक आयोजनों और गतिविधियों में ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाई गई थी।

कोर्ट ने यह भी कहा है कि लाउडस्पीकर के उपयोग के लिए अनुमति लेना आवश्यक है और ध्वनि स्तर (डेसीबल) भी निर्धारित किए गए हैं। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि यह आदेश किसी एक धर्म के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए समान रूप से लागू होगा। यदि किसी स्पीकर से ध्वनि प्रदूषण होता है तो पहले चेतावनी, फिर नोटिस और तीसरी बार जुर्माना लगाया जाना चाहिए। साथ ही, ध्वनि प्रदूषण पर जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जाना चाहिए।

कमीटी का आरोप है कि किरीट सोमैया की भड़काऊ गतिविधियों ने माहौल को बिगाड़ दिया है। अब पुलिस हर मस्जिद में जाकर इमामों और ट्रस्टियों को परेशान कर रही है। सवाल यह है कि जब कानून सभी धर्मों के लिए समान है, तो इसका पालन सिर्फ मुसलमानों पर ही क्यों किया जा रहा है?

कमीटी का यह भी कहना है कि मुंबई सहित महाराष्ट्र में बार और बियर बार को रात १२ बजे तक लाइसेंस दिया जाता है, लेकिन ये बार पूरी रात खुले रहते हैं। फिर भी पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती - कार्रवाई केवल मस्जिदों पर होती है।

यह पूरा मामला जल्द ही अदालत में ले जाया जाएगा ताकि कानून का दुरुपयोग रोका जा सके और सबके साथ न्याय हो सके।

मौलाना रूमी का शहर : क़ोन्या

७ मई की सुबह जब हमारी आंख खुली, तो इस्तांबुल शहर पूरी तरह जाग चुका था। घड़ी पर नज़र पड़ी - सुबह के साढ़े छह बजे थे। खिड़की का परदा हटाया तो इस्तांबुल की सुबह किसी आम दृश्य की तरह नहीं (ऊ़ रूह को झंकझोर देने वाला अनुभव थी। इस शहर की फ़िज़ा में इतिहास की गूंज, समुद्र की नमी और मस्जिदों से उठती अज़ान की आवाज़ - सब मिलकर ऐसा असर पैदा करते हैं जिसे चंद अल्फ़ाज़ों में बयान नहीं किया जा सकता।

जब मैंने खिड़की से बाहर देखा, आसमान हल्का नीला और स्लेटी रंग का नज़र आ रहा था। बॉस्फोरस समुद्र के ऊपर हलकी सी धुंध तैर रही थी। परिंदों की ख़ासकर सीगल की आवाज़ें वातावरण में गूंज रही थीं। तय कार्यक्रम के अनुसार हमें तैयार होकर प्रो. डॉ. खाकान क़यूमजो और प्रो. डॉ. रजब दरगन के साथ यूनिवर्सिटी गेस्ट हाउस के रेस्टोरेंट में ९ बजे नाश्ता करना था। इसके बाद हमें क़ोन्या के लिए रवाना होना था।

असल में क़ोन्या की यात्रा का प्रस्ताव प्रो. डॉ. खाकान क़यूमजो की ओर से आया था, जिन्होंने इस्तांबुल यूनिवर्सिटी की कॉन्फ्रेंस के बाद हमें क़ोन्या आने का निमंत्रण दिया था। घड़ी की सुइयां तेज़ी से घूम रही थीं और देखते ही देखते समय आ गया कि हमें इस्तांबुल से क़ोन्या के लिए दोपहर १२:३० बजे की हाई-स्पीड ट्रेन पकड़नी है। छोटा सा सामान उठाया और अंडरग्राउंड ट्रेन से यनीकापी स्टेशन पहुंच गए। कुछ देर बाद हम तीनों अपनी-अपनी सीटों पर बैठ गए।

ट्रेन २५० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से इस्तांबुल को पीछे छोड़ती जा रही थी। खिड़की के बाहर पहाड़, हरियाली, खेत और छोटे-छोटे गांव गुज़रते जा रहे थे। तभी प्रो. खाकान की आवाज़ ने हमें चौंका दिया - उन्होंने ट्रेन में मौजूद होस्टेस से तुर्की चाय मंगवाई और फिर हम चाय का लुत्फ़ उठाने लगे।

करीब पांच घंटे बाद ट्रेन क़ोन्या के सेलचुकलु स्टेशन पर रुकी। हमने अपना छोटा सा सामान उठाया और प्लेटफॉर्म पर उतरे, जहां सेलचुक यूनिवर्सिटी के उर्दू विभाग के

युवा शिक्षक महमत कमाल ने हमारा स्वागत किया। हम उनके साथ गाड़ी में सवार होकर रूमी होटल की ओर रवाना हुए। स्टेशन क़ोन्या के उत्तरी हिस्से में स्थित है और शहर के केंद्र से लगभग ११ किलोमीटर दूर है। सेलचुकलु स्टेशन से मौलाना रूमी के मज़ार तक का सफर एक साधारण यात्रा नहीं बल्कि एक रूहानी तजुर्बा था। इस यात्रा के दौरान मैंने इतिहास, तसव्वुफ और सुकून को महसूस किया।

होटल पहुंचते ही हम थककर बिस्तर पर लेट गए और कब नींद आ गई, पता ही नहीं चला। कुछ देर बाद जब आंख खुली, तो कमरा अंधेरे में डूबा था। घड़ी देखी तो पता चला कि थोड़ी देर में मग़रिब की अज़ान होने वाली है। हमने वुज़ू किया और नमाज़ के लिए होटल से निकल पड़े। होटल से कुछ कदम दूर ही मौलाना रूमी के मज़ार का मीनार दिखाई दिया। पास ही सुल्तान सलीम की आलीशान मस्जिद भी दिखी।

अभी हम मस्जिद की ओर बढ़ ही रहे थे कि मग़रिब की अज़ान ने दिल को झकझोर दिया। ऐसा लगा जैसे वक़्त थम गया हो और दिल सीधे अल्लाह की ओर मुड़ गया हो। मस्जिद में दाखिल हुए और नमाज़ के दौरान इमाम की तिलावत ने जो रूहानी कैफ़ियत पैदा की, उसे लफ़्ज़ों में बयां करना मुश्किल है।

नमाज़ के बाद मस्जिद के अंदर बैठकर मैंने उसकी सुंदरता और ऊंची छत को निहारा और उस्मानी सल्तनत की शान और फन-ए-तामीर पर फ़ख्र करने लगा। तभी बच्चों की शरारत और दौड़भाग ने ध्यान भटका दिया - लेकिन ताज्जुब की बात ये थी कि कोई उन्हें डांट नहीं रहा था। तभी मुझे तुर्की की एक कहावत याद आई - अगर तुम्हारी मस्जिदों में पिछली सफ़ में बच्चों की आवाज़ें नहीं सुनाई देतीं तो अपने दीन के मुस्तक़बिल की फ़िक्र करो।

क़ोन्या में दो दिन के दौरान हम हर रोज़ मग़रिब और ईशा की नमाज़ सुल्तान सलीम मस्जिद में पढ़ते रहे। ये मस्जिद १५५८ में उस वक़्त के शहज़ादे सलीम ने बनवानी शुरू की थी जब वे क़ोन्या के गवर्नर थे। १५६७ में मस्जिद की तामीर पूरी हुई जब वे उस्मानी सल्तनत के सुल्तान बन चुके थे।

मस्जिद का मुख्य हॉल एक बड़े गुम्बद से ढका हुआ है, जिस पर अरबी आयतें लिखी हैं। मस्जिद के दो ऊंचे मीनार इसकी शान को और बढ़ाते हैं। मस्जिद का प्रवेश द्वार सात छोटे गुम्बदों वाला एक अहाता है, जो नमाज़ियों के लिए साया देता है। मिहराब नीले संग-ए-मरमर से और मिंबर सफेद संग-ए-मरमर से बना हुआ है। अंदर का कालीन उस्मानी डिज़ाइन, फूलों और अरबी नक़्श से सजा है जो सूफ़ियाना रूहानियत की झलक देता है। ये मस्जिद मौलाना रूमी म्यूज़ियम के बिल्कुल पास स्थित है और इसीलिए ज़ायरीनों और सैलानियों के लिए भी एक ख़ास मुक़ाम है।

मौलाना जलालुद्दीन रूमी और क़ोन्या शहर का रिश्ता बहुत गहरा है। रूमी की ज़िंदगी और तालीम का मरकज़ यही शहर रहा। आज भी ये ज़गह रूमी के चाहने वालों के लिए एक रूहानी ज़ियारतगाह है। मौलाना जलालुद्दीन रूमी (१२०७-१२७३) फारसी ज़बान के महान सूफ़ी शायर, फ़लसफ़ी और रूहानी रहनुमा थे। उनकी किताब मसनवी मआनवी सूफ़ी अदब का शहकार मानी जाती है। उनकी तालीमात इंसानियत, मोहब्बत और रूहानी '१*इ'! के इर्द-गिर्द घूमती हैं।

हमने मौलाना रूमी के मज़ार पर हाज़िरी दी और दुआ की - ए अल्लाह! जिस तरह तूने मौलाना रूमी को इल्म की दौलत से नवाज़ा, उसी तरह हमें भी इल्म की कुछ रौशनी अता कर दे। आमीन।

क़ोन्या में क़याम के दौरान मेरे दोस्त और मेज़बान प्रो. डॉ. खाकान क़यूमजो और प्रो. डॉ. रजब दरगन ने हमें शहर के कई अहम मुक़ामात की सैर कराई। एक दिन हमें सेलचुक यूनिवर्सिटी जाने का मौका भी मिला। यह यूनिवर्सिटी ११ अप्रैल १९७५ को तुर्की की नेशनल असेंबली के तहत क़ायम हुई थी और आज यह तुर्की की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटियों में गिनी जाती है।

प्रो. डॉ. खाकान क़यूमजो और डॉ. रजब दरगन सेलचुक यूनिवर्सिटी में उर्दू विभाग में प्रोफेसर हैं और निहायत काबिलियत और शफ़क़त के साथ उर्दू ज़बान की ख़िदमत कर रहे हैं - इसके लिए वे मुबारकबाद के हक़दार हैं। हमने उनके साथ लज़ीज़ तुर्की लंच का भी खूब लुत्फ़ उठाया, जिसके लिए हम उनके शुक्रगुज़ार हैं।

अक्सर लोग कहते हैं कि ज़िंदगी एक सफर है, लेकिन मैं कहता हूं - मैंने सफर में ज़िंदगी पाई है। जिस तरह एक शहर से दूसरे शहर की यात्रा होती है, उसी तरह ज़िंदगी भी बचपन से बुढ़ापे, नासमझी से समझदारी और जहालत से शऊर की ओर चलती है। सफर हर पड़ाव पर कुछ सिखाता है, कुछ छीनता है और कुछ नया अता करता है।

सफर इंसान को उसकी हकीकत का एहसास कराता है। जब वो पहाड़ों, समंदरों या आसमान के नीचे खड़ा होता है, तब उसे अपने छोटेपन और रब की अज़मत का अंदाज़ा होता है। सफर इंसान को किताबों से ज़्यादा सिखाता है। ये नई तहज़ीबों, ज़बानों और नज़रियों से मिलवाकर दिल को बड़ा और बर्दाश्त को मज़बूत बनाता है।

अगर ज़िंदगी रही, तो सफर भी जारी रहेगा - और मैं यूं ही आपको अपने सफरों की दास्तां सुनाता रहूंगा।

लेखक: फहीम अख़्तर, लंदन

बैनर नहीं, ज़रूरतमंदों की मदद ही मेरे लिए सच्ची शुभकामना- शिवसेना जिला प्रमुख अनिलदादा जगताप का भावुक संदेश

बीड, प्रतिनिधि :

शिवसेना बीड जिला प्रमुख अनिलदादा जगताप का जन्मदिन आगामी बुधवार, ४ जून को है। हर वर्ष की तरह यह दिन शिवसैनिकों के लिए एक उत्सव जैसा होता है। जिलेभर में जगह-जगह पोस्टर-बैनर लगाए जाते हैं और विविध सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। लेकिन इस बार अनिलदादा ने अपने जन्मदिन को लेकर एक भावुक, संवेदनशील और प्रेरणादायक अपील की है।

अपने अधिकृत फेसबुक पेज के माध्यम से अनिलदादा ने शिवसैनिकों से आग्रह किया है -

मेरा जन्मदिन बैनर-मुक्त करें। इन बैनरों पर लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं। उससे अच्छा है कि वह पैसा ज़रूरतमंदों की मदद में लगाया जाए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बारिश का मौसम शुरू हो चुका है, ऐसे में सड़कों पर मेहनत करने वाले मज़दूर, सब्ज़ी विक्रेता, रिक्शा चालक और छोटे कामगार भीगते हुए काम पर जा रहे हैं। उनके लिए एक छाता या रेनकोट भी राहत की सांस हो सकती है। अनिलदादा ने शिवसैनिकों को सुझाव दिया है कि यदि वे वास्तव में उन्हें शुभकामनाएं देना चाहते हैं, तो ज़रूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाकर दें। मेरा असली जन्मदिन तभी मनाया जाएगा जब आपकी मदद से किसी गरीब के चेहरे पर खुशी आएगी।

सामाजिक सेवा से होगा जन्मदिन का अभिनंदन

जगताप के आवाहन का शिवसैनिकों में व्यापक असर

अनिलदादा के इस प्रेरणादायक संदेश के बाद बीड जिलेभर के शिवसैनिकों ने उनके जन्मदिन पर बैनर-झांझट से दूर रहकर सामाजिक उपक्रमों के माध्यम से शुभकामनाएं देने का निर्णय लिया है। कई जगहों पर रेनकोट और छाता वितरण, अन्नदान, आरोग्य जांच शिविर, और रक्तदान जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

यह पहल न केवल सामाजिक जागरूकता का प्रतीक बनेगी, बल्कि नेताओं के प्रति जनता की सोच को भी नई दिशा देगी - कि नेतृत्व केवल भाषण से नहीं, संवेदनशीलता और सेवा से बनता है।

बिंदुसरा मध्यम प्रकल्प पर जाना खतरनाक, जिला प्रशासन ने की सतर्कता और सुरक्षा निर्देशों के पालन की अपील

धार्मिक भीड़ और सेल्फी प्रवृत्ति से बढ़ रहा जोखिम, आपदा प्रबंधन विभाग ने किया चेतावनी जारी

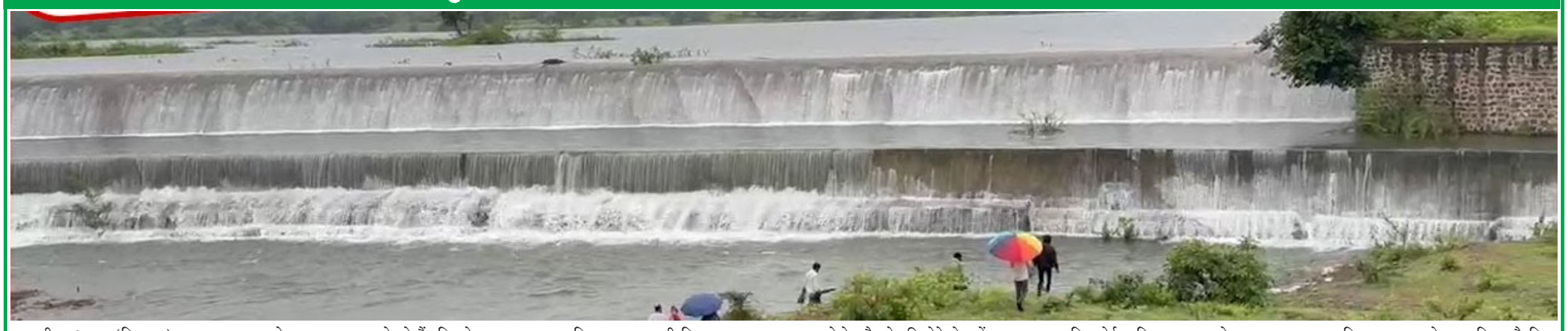

बीड, २ जून (जिमाका):

पाली (ता. व जि. बीड) स्थित बिंदुसरा मध्यम प्रकल्प में जलस्तर पूर्ण क्षमता तक भर चुका है और अब बांध के ओवरफ्लो सांडव्य (स्पिलवे) से बड़े पैमाने पर पानी बह रहा है। इस दृश्य को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग बांध के आसपास जमा हो रहे हैं, जिससे संभावित दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। इस स्थिति को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने और कुछ महत्वपूर्ण सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देश इस प्रकार हैं:

बांध क्षेत्र में भीड़ से बचें:

पानी का बहाव तेज़ है और किसी भी समय जल स्तर में अचानक वृद्धि हो सकती है। ऐसे में नागरिकों को बांध क्षेत्र में जाने से परहेज़ करना चाहिए।

फोटो और सेल्फी लेने से बचें:

बांध की किनारी पर खड़े होकर फोटो या सेल्फी लेना अत्यंत ख़तरनाक है और इससे गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

अभिभावक बच्चों पर विशेष ध्यान दें:

बच्चों को बांध क्षेत्र में जाने से रोकें और उनकी गतिविधियों पर नज़र रखें ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

प्रशासनिक निर्देशों का पालन अनिवार्य है:

स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह सावधानी नागरिकों की स्वयं की और उनके परिवार की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। किसी भी तरह का लापरवाह या गैरजिम्मेदार व्यवहार न करें और धरण क्षेत्र में सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करें।

राजनीति में ऐसे बहुत कम नेता होते हैं जिन्होंने बिना किसी पारिवारिक राजनीतिक पृष्ठभूमि के, केवल अपनी मेहनत और संघर्ष के बल पर ऊँचाइयों को छुआ हो। ऐसे नेताओं की गिनती हाथों की उंगलियों पर की जा सकती है, और उनमें से एक नाम जो सदा-सर्वदा लोगों के दिलों में जीवित रहेगा, वह है लोकनेते स्वर्गीय गोपीनाथ मुंडे।

राजनीति के शिखर तक स्वकर्तृत्व से पहुंचने वाले लोकनेता : गोपीनाथ मुंडे

आज ३ जून, उनकी पुण्यतिथि है। ३ जून २०१४ को एक सड़क हादसे में उनका निधन हो गया था, जिससे महाराष्ट्र ही नहीं, पूरे देश ने एक जननेता को खो दिया।

गोपीनाथ मुंडे का जन्म १२ दिसंबर १९४९ को महाराष्ट्र के बीड़ जिले के परली तालुका के नाथरा गांव में एक सामान्य किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम पांडुरंगराव और माता का नाम लिंबाबाई था। वर्ष १९६९ में उन्होंने अपने पिता को खो दिया। उनके बड़े भाई पंडित अण्णा ने उनके शिक्षा की ज़िम्मेदारी संभाली। स्कूल शिक्षा के बाद वे आगे की पढ़ाई के लिए आंबेजोगाई गए। वहीं कॉलेज में उनके नेतृत्व के गुण सामने आने लगे और छात्रसंघ चुनावों से उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई।

उसी दौर में उनकी मुलाकात भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रमोद महाजन से हुई, और दोनों के बीच एक अटूट मित्रता का जन्म हुआ, जो अगले पचास वर्षों तक कायम रही। प्रमोद महाजन ने गोपीनाथ मुंडे में नेतृत्व की क्षमता देखी और उन्हें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (-इतझ) से जोड़ा। इसके बाद दोनों नेताओं ने अनेक सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों में भाग लिया और जनसंघ के पूर्णकालिक कार्यकर्ता बन गए।

आपातकाल के दौरान गोपीनाथ मुंडे को जेल जाना पड़ा। वर्ष १९७८ में वे बीड़ जिला परिषद के सदस्य निर्वाचित हुए और १९८० में पहली बार रेणापुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने भाजपा को हर घर तक पहुँचाने का बीड़ा उठाया। जब भाजपा को ब्राह्मणों की पार्टी कहा जाता था, तब गोपीनाथ मुंडे ने 'माधव' प्रयोग कर बहुजन समाज को पार्टी से जोड़ा और उसे जनसमर्थन दिलाया।

गोपीनाथ मुंडे एक अत्यंत प्रभावशाली वक्ता थे। चाहे वह विधानसभा हो या जनसभा, वे

श्याम ठाणेदार
दौंड, जिला पुणे

अपने भाषणों से जनता का दिल जीत लेते थे। विपक्ष में रहते हुए भी वे महाराष्ट्र के सबसे लोकप्रिय नेताओं में गिने जाते थे। १९९१ से १९९५ तक वे विधानसभा में विरोधी पक्ष नेता रहे और उस समय की सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार को उन्होंने कठघरे में खड़ा कर दिया।

१९९५ में राज्य भर में यात्राएं कर उन्होंने जनमत तैयार किया और उसी वर्ष भाजपा-शिवसेना युति सरकार बनी, जिसमें वे उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री बने। गृहमंत्री के रूप में उन्होंने अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई की और पुलिस को खुली छूट दी। एन्काउंटर शब्द उनके कार्यकाल में प्रचलित हुआ। उन्होंने मुंबई की अंडरवर्ल्ड गैंगों को खत्म करने में अहम भूमिका निभाई।

वे एक कुशल प्रशासक और बेहतर समन्वयक भी थे। जब भाजपा और शिवसेना के बीच तनाव उत्पन्न होता था, तो उसे सुलझाने का काम वे करते थे। बाला साहेब ठाकरे के साथ उनके आत्मीय संबंध थे। उन्होंने युति को 'महायुति' में बदलने का कार्य किया और राजू शेट्टी, रामदास आठवले, महादेव जानकर जैसे नेताओं को भाजपा से जोड़ा।

२०१४ के लोकसभा चुनावों में उन्होंने केंद्र और महाराष्ट्र में भाजपा की सत्ता लाने के लिए अथक परिश्रम किया। नरेंद्र मोदी की पहली कैबिनेट में उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया गया। गोपीनाथ मुंडे एक सर्वप्रिय नेता थे, जिनके संबंध विपक्षी नेताओं से भी अच्छे थे। उनके और विलासराव देशमुख, छगन भुजबळ के बीच की दोस्ती प्रसिद्ध थी।

जब वे केंद्र में मंत्री बने, तब पूरा महाराष्ट्र गौरवान्वित हुआ। लेकिन यह खुशी अधिक समय तक टिक नहीं सकी। ३ जून २०१४ को एक सड़क दुर्घटना में उनका निधन हो गया, और महाराष्ट्र ने अपना एक सच्चा लोकनेता खो दिया।

आज उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। उनका जीवन संघर्ष, नेतृत्व और जनसेवा की मिसाल है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

'नाथा आपके यूं अचानक चले जाने से!'

स्व. गोपीनाथ मुंडे को ३ जून की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि

संतोष ढाकणे
मुक्त पत्रकार

मैं, गोपीनाथ मुंडे, ईश्वर को साक्षी मानकर शपथ लेता हूँ...

जब ये शब्द शपथग्रहण स्थल पर गूंजे, तब न केवल महाराष्ट्र, बल्कि पूरा भारत एक ऊर्जावान और लोकप्रिय नेता के दिल्ली के राजनैतिक सिंहासन पर विराजमान होने की खुशी में सराबोर हो गया था। जीवन भर जिस ग्रामीण मिट्टी में रहकर उन्होंने राजनीति की लड़ाइयाँ लड़ीं, उसी धरती का कर्ज चुकाने की जिम्मेदारी उन्हें मिली थी – ग्रामविकास मंत्रालय के रूप में।

हर गांव, बस्ती, तांडा, चौक-चौराहे से लेकर फटी धोती पहनने वाले किसान और झोपड़पट्टी की माई तक, हर किसी की ज़ुबान पर एक ही नाम था – हमारे नाथा का स्वागत! लेकिन वो दिन, ३ जून २०१४, एक ऐसा दिन बन गया जिसने सबको स्तब्ध कर दिया। बीड शहर और पूरा जिला फूलों, हारों और नाथा के विशाल पोस्टरों से सजा हुआ था। हर कोई बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था कि नाथा हेलिकॉप्टर से आएंगे, एक हाथ कमर पर और दूसरा ऊपर उठा कर जनता का अभिवादन करेंगे।

लेकिन सुबह ९ बजे एक खबर आई – नाथा अब हमारे बीच नहीं रहे। पूरा जिला अवाक् रह गया। यक़ीन करना मुश्किल था कि महाराष्ट्र का 'नाथा' अब नहीं रहा। स्वागत के लिए सजाए गए फूलों ने अब श्रद्धांजलि की जगह ले ली थी। मानो आकाश फट पड़ा हो, और पूरे राज्य पर ग़म का सैलाब उमड़ पड़ा हो। लोग काफिलों में बीड की ओर बढ़ने लगे – अपने प्रिय नेता

के अंतिम दर्शन के लिए।

नाथा की अंतिम यात्रा दिल्ली से लातूर, और फिर लातूर से परली के वैद्यनाथ मंदिर तक पहुँची – उसी धरती पर, जिसने उन्हें साखर सम्राट के रूप में देशव्यापी ख्याति दिलाई थी।

नाथा, आपकी अंतिम यात्रा में जो विशाल जनसमूह उमड़ा, वो इस बात की गवाही था कि आपने न केवल लोगों का दिल जीता, बल्कि मूल्य और मानवता की मिसाल कायम की।

जनता की अश्रुपूरित आँखें इस बात की साक्षी थीं कि आपने कभी झुका कर राजनीति नहीं की, और ना ही अपने समर्थकों को झुकने दिया। अब ना वो सफेद कुर्ता-पायजामा और काला कोट पहने दमदार व्यक्तित्व दिखाई देगा, ना वो गर्जनशील आवाज़ सुनाई देगी, जिसने महाराष्ट्र की राजनीति में हमेशा एक गूंज पैदा की।

ना वो राजनेता दिखेगा जो विलासराव देशमुख और छगन भुजबळ जैसे नेताओं के साथ सच्ची मित्रता निभाता था।

ना वो गोपीनाथ मुंडे, जो बीड से दिल्ली की सत्ता को चुनौती दे सकता था। ना वो हेलिकॉप्टर, जो सभा स्थल पर दो चक्कर लगाकर जनजागृति फैलाता था। ना वो गृह मंत्री, जो किसी ज़माने में गुंडों के लिए काल बना था।

और ना ही वो संघर्ष यात्रा, जो आपने बलीराजा के लिए निकाली थी – जिसे आज भी देश याद करता है।

आपके पीछे पंकजा ताई और प्रीतम ताई के रूप में जो विरासत आपने छोड़ी, उसे महाराष्ट्र और देश दोनों ने स्वीकार किया है।

आज वे दोनों आपके दिखाए मार्ग पर चल रही हैं, और हमे पूरा यक़ीन है कि वे इसमें कोई कमी नहीं छोड़ेंगी।

बस एक टीस मन में उठती है – जिन्हें आपने राजनीति का क-ख-ग सिखाया, वे आज 'मैं' के घमंड में आपके उपकार भूल गए।

लेकिन नियति सबको उसका स्थान दिखा देती है।

अब उस ओर देखने की ज़रूरत नहीं है!

आपका संघर्ष, आपकी सीख, शेष जीवन के लिए हमारे मार्गदर्शक रहेंगे। आज, आपकी पुण्यतिथि के अवसर पर हम यही प्रार्थना करते हैं कि

देश और दुनिया पर छाया कोरोना का संकट जल्द दूर हो – आपकी स्मृति को साक्षी मानकर।

''साहेब, विनम्र अभिवादन''

पर्यावरण संरक्षण के लिए परली में पंकजा मुंडे की जनजागृति मुहिम : सिंगल यूज़ प्लास्टिक को रोकना जरूरी वरना हालात होंगे गंभीर

वैजनाथ मंदिर में कपड़े की थैली की वेंडिंग मशीन का उद्घाटन, आनंदधाम में वृक्षारोपण और मंदिर परिसर में सफाई अभियान का आयोजन

परली वैजनाथ, २ जून (प्रतिनिधि)

राज्य की पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने आज परली में एक विशेष जनजागृति अभियान के माध्यम से नागरिकों से सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि इस प्लास्टिक के भस्मासुर पर समय रहते रोक नहीं लगाई गई, तो स्थिति अत्यंत गंभीर हो सकती है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक कपड़े की थैलियों के उपयोग, स्वच्छता पर ध्यान देने और वृक्षारोपण जैसे उपायों को अपनाने की अपील की।

पंकजा मुंडे आज परली के आनंदधाम परिसर में सामाजिक वनीकरण विभाग द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इसके बाद उन्होंने वैजनाथ मंदिर में 'नो प्लास्टिक' अभियान के तहत कपड़े की थैली वेंडिंग मशीन का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में वैजनाथ मंदिर कमेटी के राजेश देशमुख, वरिष्ठ भाजपा नेता दत्तात्रय इटके, नगराध्यक्ष उमा समशेट्टे, उपजिलाधिकारी अरविंद लाठकर, तहसीलदार व्यंकटेश मुंडे, नगर परिषद मुख्याधिकारी कांबळे और प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारी कुरमूडे उपस्थित थे।

'एक वृक्ष माँ के नाम' : दो वृक्ष लगाकर संरक्षण का संकल्प

पंकजा मुंडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 'एक वृक्ष माँ के नाम' अभियान का हवाला देते हुए कहा कि एक वृक्ष अपनी जन्मदात्री माँ के नाम और दूसरा वृक्ष प्रकृति माँ के संरक्षण हेतु लगाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वृक्षारोपण केवल फोटो खिंचवाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है।

प्लास्टिक मुक्त महाराष्ट्र की दिशा में संकल्प

मुंडे ने कहा कि अब राज्य सरकार की ओर से मंदिर परिसरों में भी प्लास्टिक मुक्त अभियान तेज़ी से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंदिरों, देवस्थान समितियों और धार्मिक संस्थानों से संवाद कर सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने और कपड़े की थैलियों को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। इसके तहत राज्य भर के मंदिरों में कपड़े की थैली वेंडिंग मशीनें लगाई जाएंगी।

निजी पहल : प्लास्टिक लेकर मिलने आए तो नहीं मिलेगी एंट्री

पंकजा मुंडे ने घोषणा की कि अब उनके परली स्थित शासकीय निवास 'यश:श्री' और मुंबई के 'रामटेक' निवास में जो भी व्यक्ति प्लास्टिक थैली में गुलदस्ता या माला लेकर आएगा, उसे प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा की शुरुआत उन्हें खुद से करनी है, और यही संदेश जनता तक भी पहुंचाना है।

मध्यप्रदेश से सीखें, महाराष्ट्र को भी बनाएं स्वच्छ उन्होंने मध्यप्रदेश की स्वच्छता व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस तरह वहां का प्रशासन और नागरिक जिम्मेदारी से काम कर रहे हैं, उसी प्रकार महाराष्ट्र को भी स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्त अभियान में आगे आना होगा। उन्होंने स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं और नागरिकों से अपील की कि वे भी इस दिशा में जागरूक होकर काम करें। राज्य के मंदिरों से होगी संवाद प्रक्रिया शुरू

राज्यभर में स्थित मंदिरों के साथ संवाद स्थापित कर वहां सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग बंद कराने और कपड़े की थैलियों को अपनाने की दिशा में प्रयास तेज़ किए जाएंगे। पंकजा मुंडे ने बताया कि इस हेतु पत्राचार भी किया जा रहा है और शीघ्र ही बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन की शुरुआत होगी।

बीड में विधायक संदीप क्षीरसागर ने सड़कों सहित विभिन्न मुद्दों पर की समीक्षा बैठक

बीड, दिनांक २ जून (प्रतिनिधि): बीड विधानसभा क्षेत्र के सड़कों और विभिन्न नागरिक मुद्दों को लेकर विधायक संदीप क्षीरसागर ने संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में नगर रोड पर डिवाइडर और सड़क के किनारे वृक्षारोपण, राजुरी से खरवंडी सड़क पर रुके हुए पुल निर्माण कार्य, लिम्बा गणेश से मांजरसुंबा रोड पर जाधव वस्ती के पास जमा हो रहे पानी की समस्या, बिंदुसरा नदी पर निर्माणाधीन पुल-कम-बांध का धीमा कार्य, बीड शहर के बार्शी रोड पर राष्ट्रवादी भवन के सामने बने गहरे गड्ढे की मरम्मत, नगर परिषद द्वारा चल रहे स्वच्छता अभियान और जल आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की समीक्षा की गई।

यह बैठक सोमवार (२ जून) को बीड के शासकीय विश्रामगृह में हुई, जिसमें विधायक संदीप क्षीरसागर ने शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सड़क, पुल और अन्य आधारभूत सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने नगर रोड पर बने नए डिवाइडरों पर और दोनों ओर वृक्षारोपण की आवश्यकता पर बल दिया। इसके साथ ही नवगण राजुरी से खरवंडी सड़क पर अधूरे पुल निर्माण, लिम्बा गणेश से मांजरसुंबा सड़क पर जाधव वस्ती के पास जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान निकालने, बिंदुसरा नदी पर चल रहे पुल व बांध कार्य की गति बढ़ाने और बार्शी रोड के गड्ढों को त्वरित भरवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने नगर परिषद द्वारा चल रहे स्वच्छता कार्यों और जल आपूर्ति योजनाओं की भी गहन समीक्षा की और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में पूर्व विधायक सैयद सलीम और विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

नगर रोड पर रोड क्रॉसिंग के लिए जिलाधिकारी कार्यालय में विशेष बैठक

नगर रोड स्थित जिलाधिकारी कार्यालय और जिला न्यायालय की ओर जाने के लिए सड़क पार करने की सुविधा नागरिकों की सुविधा के लिए अत्यंत आवश्यक मानी जा रही है। इस संबंध में पिछले कई दिनों से नागरिकों और सामाजिक संगठनों की ओर से लगातार मांग की जा रही है। विधायक संदीप क्षीरसागर इस विषय में लगातार प्रयासरत हैं।

हाल ही में उन्होंने जिलाधिकारी के साथ इस संबंध में बैठक की थी। अब उन्होंने जिलाधिकारी कार्यालय में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर, जिलाधिकारी कार्यालय और जिला न्यायालय के सामने शीघ्र रोड क्रॉसिंग बनाए जाने की ज़ोरदार मांग रखी।

विधायक क्षीरसागर ने अधिकारियों से आग्रह किया कि नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस कार्य को तात्कालिक प्राथमिकता दी जाए।

देवनार कत्लखाना बना अस्वच्छता और भ्रष्टाचार का अड्डा : सांसद वर्षा गायकवाड़ का आरोप

रिपोर्ट : ज़मीर काज़ी, मुंबई

मुंबई, २ जून :

देश के सबसे बड़े कत्लखानों में गिने जाने वाले देवनार स्लॉटर हाउस में बकरी ईद के मद्देनज़र अस्थायी शेड निर्माण के नाम पर करोड़ों का भ्रष्टाचार किया जा रहा है - यह गंभीर आरोप मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड़ ने सोमवार को लगाया।

उन्होंने कहा कि शनिवार को बकरी ईद मनाई जा रही है, ऐसे में देवनार में कुर्बानी के लिए बड़ी संख्या में बकरे लाए जा रहे हैं और हज़ारों मुस्लिम भाई-बहन यहां खरीदारी और कुर्बानी के लिए पहुंचते हैं। इसी पृष्ठभूमि में देवनार परिसर की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए वर्षा गायकवाड़ के साथ विधायक असलम शेख, अमीन पटेल, डॉ. ज्योति गायकवाड़ तथा कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए वर्षा गायकवाड़ ने कहा :

अब तक कुर्बानी के लिए सवा लाख से अधिक बकरे लाए जा चुके हैं, और आगामी तीन-चार दिनों में यह संख्या और बढ़ेगी। लेकिन इसके बावजूद महानगरपालिका की तरफ से कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। पूरे परिसर में गंदगी का साम्राज्य फैला हुआ है। इस बार भी अस्थायी

शेड का निर्माण कार्य फिर से शुरू कर दिया गया है, जो कि हर साल एक ही ठेकेदार को दिया जाता है।

उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों से यह ठेका लगभग ५-६ करोड़ रुपये में उसी ठेकेदार को दिया जा रहा है, जिससे भ्रष्टाचार की गंभीर संभावना है। जबकि एक बार के लिए स्थायी शेड का निर्माण होना चाहिए था। वर्षा गायकवाड़ ने यह भी आरोप लगाया कि यह पूरा मामला कुछ ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए जानबूझकर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस विषय को मुख्यमंत्री के साथ होने वाली आगामी बैठक में गंभीरता से उठाया जाएगा, साथ ही बीएमसी आयुक्त से भी सुधार की मांग की जाएगी।

देवनार स्लॉटर हाउस, महानगरपालिका के अन्य विभागों की तरह भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है।

सांसद गायकवाड़ ने यह भी मांग की कि व्यापारी और ट्रांसपोर्टर्स के लिए पर्याप्त पार्किंग और मूलभूत सुविधाएं इस परिसर में उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओर से इस पर लगातार फॉलोअप किया जाएगा और इस घोटाले को उजागर किया जाएगा।

बालवंतराव कदम हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज में राजकुमार कदम सर की प्राचार्य नियुक्ति पर हुआ भव्य स्वागत

मोहम्मद बिन अहमद, काजी नासिर, सतीश खवळे सर और बाला साहब घावणे सर की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ अभिनंदन समारोह

बीड (प्रतिनिधि):

बालवंतराव कदम हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज, बीड में राजकुमार कदम सर की प्राचार्य पद पर नियुक्ति होने के बाद संस्थान में एक उत्सव जैसा माहौल देखा गया। उनके इस गरिमामयी पद पर चयन को लेकर शिक्षण स्टाफ, छात्रवर्ग और अभिभावकों में हर्ष की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर मोहम्मद बिन अहमद, काजी नासिर, सतीश खवळे सर और बाला साहब घावणे सर ने उनकी नियुक्ति का स्वागत करते हुए उन्हें फूलों के गुलदस्ते और शॉल-श्रीफल भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

राजकुमार कदम सर शिक्षा क्षेत्र में अनुशासन, नेतृत्व और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध माने जाते हैं। उनके प्राचार्य बनने से संस्था को एक ऊर्जावान और दूरदर्शी नेतृत्व प्राप्त हुआ है। उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता, विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशीलता और नवाचार की स्पष्ट झलक देखने को मिलती है।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि कदम सर ने अपने अब तक के कार्यकाल में विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणास्रोत के रूप में कार्य किया है। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय और कॉलेज का शैक्षणिक वातावरण और अधिक समृद्ध होगा। छात्रहित में लिए जाने वाले फैसलों में उनकी सूझबूझ और अनुभव संस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

मोहम्मद बिन अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि, राजकुमार सर की नियुक्ति एक सही समय पर हुआ हुआ निर्णय है। एक अच्छा प्राचार्य न केवल संस्था का प्रमुख होता है, बल्कि पूरे समाज को दिशा देने का कार्य करता है। हमें विश्वास है कि उनकी अगुवाई में यह संस्था एक नया मुकाम हासिल करेगी।

काजी नासिर, सतीश खवळे सर और बाला साहब घावणे सर ने भी अपने वक्तव्यों में कदम सर के साथ अपने पुराने अनुभव साझा किए और उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने दायित्व को

ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ निभाएंगे।

समारोह का आयोजन अत्यंत सादगी और गरिमा के साथ किया गया, लेकिन भावनाओं और सम्मान की गहराई हर चेहरे पर झलक रही थी। विद्यार्थियों और स्टाफ ने भी इस अवसर पर हर्ष जताते हुए कदम सर को शुभकामनाएं दीं।

बीड जिले में यह एक सकारात्मक शैक्षणिक पहल है, जो न केवल संस्थान बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक प्रेरणा बन सकती है।

शिक्षा के क्षेत्र में नेतृत्व जब अनुभव और समर्पण के साथ मिलता है, तब संस्थाएं नहीं - भविष्य संवरता है। राजकुमार कदम सर उसी भविष्य निर्माण के सशक्त स्तंभ हैं।

Safdar Ali Deshmukh Welfare Trust's
MODEL ENGLISH HIGH SCHOOL
Masrat Nagar, Jijamata Chowk, Beed.
&
Safdar Ali Deshmukh Welfare Trust's
MODEL ENGLISH SCHOOL
(Pre-Primary & Primary)
Opp. Madina Masjid, Amer Colony, Momin Pura, Beed.

TEACHERS REQUIRED

Principal & Vice Principal : (M/F)
* Post Graduate with B.Ed. With 4 to 5 years experience.
* Good in English Communication.
* Good at administrative skills.

Teachers are required in different disciplines to teach : (M/F)
* English, Hindi, Marathi, Maths, Science, Social Studies, Arts & Computer.
from standard 5th to 10th
Qualification :
B.A / M.A / B.Sc / M.Sc / MCA / B.Ed / M.ed / D.T.Ed

* Mother Teachers required for Pre-Primary and Primary classes.
Qualification : H.S.C., D.Ed.

The complete application CV, photograph and documents should reach the school address.

Walk-in-Interview will be held from 3rd June (Tuesday) to 6th June (Friday) between 10.00 a.m. to 1.00 p.m.

Note : Only candidate with English Medium Schooling need apply. Candidates who have obtained first class throughout prepared with the curriculum of Maharashtra State Board of their respective subjects & classes.

Address : Model English High School,
Masrat Nagar, Jijamata Chowk, Beed.

Contact : 9762909160 / 9823567444 / 8793056030 / 9922873923

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com